NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th

Subject : हिंदी

Chapter : 10

Chapter Name : वाख

Q1 रस्सी यह किसके लिए प्रयुक्त हुआ है और वह कैसी है?

Answer. रस्सी शब्द का प्रयोग यहां मनुष्य के प्राण के लिए हुआ है जिसके सहारे वह अपनी शरीर रूपी नाव को खींच रहा है। कवयित्री के अनुसार यह रस्सी अत्यंत नाजुक है अतः यह कब टूट जाए कुछ कहा नहीं जा सकता है।

Page : 98 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2 कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं?

Answer.कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ इसलिए हो रहे हैं क्योंकि कवित्री का जीवन बीतता जा रहा है क्योंकि उसकी उम्र बढ़ती जा रही है। कवित्री के अनुसार उसकी मृत्यु निकट आती जा रही है किंतु उसका प्रभु से मिलना नहीं हो पा रहा है। अतः उसको यह लगता है कि उसके द्वारा किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ हो रहे हैं क्योंकि उसकी द्वारा की गई साधना का कोई परिणाम नहीं निकल रहा है।

Page : 98 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3 कवयित्री का घर जाने की चाह से क्या तात्पर्य है?

Answer. कवयित्री का घर जाने से तात्पर्य इस जीवन रूपी भवसागर से मुक्ति पाना है और अंतत: अपने प्रभु की शरण में निहित हो जाना है।ऐसा इसलिए क्योंकि कवयित्री अपने परमात्मा की शरण को ही अपना वास्तविक घर मानती है।

Page : 98 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4 भाव स्पष्ट कीजिए

(क) जेब टटोली कौड़ी ना पाई।

(ख) खा खा कर कुछ पाएगा नहीं, ना खाकर बनेगा अहंकारी।

Answer.

(क) प्रस्तुत पंक्ति से कवयित्री का अभिप्राय है कि वह जीवन भर हठयोग साधना करती रही किंतु उसको परमात्मा के दर्शन नहीं हो पाए अब उससे अनुभव हो रहा है कि उसकी जेब खाली रह गई है।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री मनुष्य के भोग विलास की बात कर रही है। उसके अनुसार मनुष्य जीवन भर भोग विलास करके खुद को नष्ट कर लेता है। वह कोई उपलब्धि हासिल नहीं कर पाता है तथा परमात्मा से दूर हो जाता है। अतः कवयित्री के अनुसार भोग करना एक प्रकार का छल है। जो मनुष्य भोग विलास को अनदेखा करते हैं अथवा तपस्वी जीवन व्यतीत करके अहंकारी बन जाते हैं, वह लोग खुद को दूसरों को तुच्छ समझने लगते हैं। अतः वे भी ईश्वर की भक्ति के मार्ग से भटक जाते हैं।

Page : 98 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q5 बंद द्वार की सांकल खोलने के लिए ललद्यद ने क्या उपाय सुझाया है?

Answer.बंद द्वार की सांकल खोलने के लिए कवयित्री ने कई उपाय सुझाव के रूप में बताएं हैं। उसके अनुसार मनुष्य को सांसारिक तथा सामाजिक विषयों से ना ही अधिक दूर रहना चाहिए और ना ही अधिक लिप्त रहना चाहिए। उसे दोनों के बीच में एक सीधा-साधा संपूर्ण जीवन जीना चाहिए। उसके अनुसार मनुष्य को प्रभु की सच्ची भक्ति करनी चाहिए। भक्ति के मार्ग से भटकना नहीं चाहिए। प्रभु की भक्ति के नाम पर अहंकारी नहीं बनना चाहिए। मनुष्य को सभी प्राणियों को समान दृष्टि यह समान भाव से देखना चाहिए।

Page : 98 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q6 ईश्वर प्राप्ति के लिए बहुत से साधक हठयोग जैसी कठिन साधना भी करते हैं लेकिन उससे भी लक्ष्य प्राप्ति नहीं होती है। यह भाग किन पंक्तियों में व्यक्त हुआ है?

Answer.निम्नलिखित पंक्तियों में यहां भाव व्यक्त किए गए हैं

आई सीधी राह से, गई न सीधी राह।

सुषुम सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह!

जेब टटोली कौड़ी न पाई। माझी को दें, क्या उतराई?

Page : 98 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7 ज्ञानी से कवयित्री का क्या अभिप्राय है?

Answer.ज्ञानी से कवयित्री का अभिप्राय है जो कोई भेदभाव नहीं करता हो। जो धर्मों के बीच में कोई अंतर नहीं समझता हो। जिससे यह मालूम हो कि दोनों ही उस एक प्रभु की रचना हैं। जिसको इस बात का ज्ञान हो कि आत्मा परमात्मा का ही एक अंश है।

aglasem.com

Page : 98 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q8 हमारे संतो भक्तों और महापुरुषों ने बार बार चेताया है कि मनुष्य में परस्पर किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होता लेकिन आज भी हमारे समाज में भेदभाव दिखाई देता है।

(क) आपकी दृष्टि में इस कारण देश और समाज को क्या हानि हो रही है?

(ख) आपसी भेदभाव को मिटाने के लिए अपने सुझाव दीजिए।

Answer.

(क) भेदभाव के कारण देश और समाज को हानि हो रही है। भेदभाव वह मनुष्य करते हैं जिनको ज्ञान का असली अर्थ मालूम नहीं होता है। जिस समाज में भेदभाव की भावना होती है वह समाज अंदर से खोखला हो जाता है। भेदभाव की भावना समाज को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट देती है। लोग जाति धर्म के अनुसार ही लोगों से बात करते हैं। दूसरे धर्म तथा जातियों के लोगों को हीन भावना से देखते हैं। यह सारी उपज भेदभाव की है। भेदभाव के कारण जो लोग निर्दोष हैं वह भी लोगों को शत्रुओं के समान प्रतीत होते हैं। आपसी भेदभाव के कारण भय संदेह और अविश्वास बना रहता है। धर्म तथा जाति के भेदभाव के कारण आपसी तालमेल तो नष्ट होता ही होता है और उसी के साथ साथ दो देशों के बीच भी एक नफरत की दीवार खड़ी हो जाती है।

(ख) आपसी भेदभाव को मिटाने का सबसे अच्छा तरीका है ज्ञान की प्राप्ति करना। जो लोग पढ़े लिखे होते हैं वह भेदभाव की भावना से रिक्त होते हैं क्योंकि उन्हें मालूम होता है कि एक दूसरे से नफरत करना तथा भेदभाव करना कोई सुख नहीं लाता है। जब तक समाज में जागरूकता तथा ज्ञान नहीं बढ़ेगा तब तक भेदभाव की भावना देश और समाज में रहेगी ही। लोगों को एकता का असली मतलब समझाना आवश्यक है। जब समाज का हर मनुष्य यह दृढ़ निश्चय कर ले कि उसे भेदभाव की भावना को अपने समाज तथा देश से मिटाना है तो भावना को नष्ट होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

aglasem.com

Page : 98 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q9 भक्ति काल में ललद्यद के अतिरिक्त तमिलनाडु की आंदाल, कर्नाटक की अकक महादेवी और राजस्थान की मीरा जैसी भक्त कवित्रियों के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए एवं उस समय की सामाजिक परिस्थितियों के बारे में कक्षा में चर्चा कीजिए।

Answer.छात्र स्वयं करें।

Page : 98 , Block Name : पाठेतर सक्रियता

Q10 ललयद कश्मीरी कवित्री है। कश्मीर पर एक अनुच्छेद लिखिए।

Answer.छात्र स्वयं करें।

Page : 98 , Block Name : पाठेतर सक्रियता

aglasem.com